



NCCT CO-OP **NEWS BULLETIN**



Date: 09.02.2024

Sr No	Date	Publication	Edition	Page no.
1.	06-02-2024	Press Note	Udaipur	Online
2.	08-02-2024	Indra Prabha	Telangana	8
3.	08-02-2024	Samay Bhaskar	Karnal	7
4.	08-02-2024	Hind Janpath	Karnal	8
5.	08-02-2024	Rustam E Hind	Karnal	5
6.	09-02-2024	Saccha Sagar_	Udaipur	3
7.	09-02-2024	Police Public Politics	Udaipur	2

Publication:	Press Note	Edition: Udaipur	Online
Published Date:	February 06, 2024		

2475 PACS/Coop Societies get initial approval to operate Jan Aushadi Kendras: Amit Shah

https://www.pressnote.in/-Corporate-News-_491542.html

As many as 2,475 PACS)/Cooperative Societies have been given initial approval by the Pharmaceuticals & Medical Devices Bureau of India (PMBI), Department of Pharmaceuticals (GOI) to operate Jan Aushadi Kendras.

Out of 2,475 initial approvals given to PACS/ Cooperative Societies, 617 drug licenses have already been issued by the State Drug Controllers, which are ready to function as Jan Aushadhi Kendras.

This information was given by Cooperation Minister Amit Shah in a written reply to a question in the Lok Sabha on Tuesday.

It may be mentioned that a total number of 4,629 PACS/Cooperative Societies from 34 States/UTs have so far applied online for operating Jan Aushadhi Kendras.

The Minister further said that online training has been provided to more than 1000 PACS/ Cooperative Societies by PMBI.

In order to improve the access of generic medicines to the rural citizens, PACS have been allowed by the Government to operate Jan Aushadhi Kendras under the Pradhan Mantri Bhartiya Jan Aushadhi Pariyojana of Department of Pharmaceuticals, Ministry of Chemicals and Fertilizers, Government of India.

PACS functioning as Jan Aushadhi Kendras will be able to provide quality generic medicines at affordable prices to common people at the Village/Block Level which are 50-90 per cent less than that of branded medicines in the open market, including around 2,000 drugs and around 300 surgical items. PACS also will get additional employment opportunities and additional revenue streams.

As per National Cooperative Database, there are 1,03,369 PACS in the country. However, they are not evenly distributed across all regions.

In order to address their skewed distribution, the Government, on 15.02.2023, has approved the Plan for establishing new multipurpose PACS or primary dairy/ fishery cooperative societies covering all the uncovered Panchayats/ village in the country in the next five years, Minister Shah informed.

Under the Centrally Sponsored Project for Computerization of PACS, the Government of India share of Rs 488.42 Crore has been released to 28 States/UTs for procurement of hardware, digitization of legacy data and setting up support system.

Publication:	Indra Prabha, Pg 8	Edition: Telangan	Print
Published Date:	February 08, 2024		

8

గురువారం 08 -02-2024

గ్రామీణ సహకార వ్యవస్థకి ఆర్థికంగా ఊతమిస్తున్న కేంద్ర ప్రభుత్వం 2024బడ్జెట్...

కరీంనగర్(ఇండ్రప్రభ):సహకారం ద్వారా ఆర్థిక (శేయస్సు అనే నినాదానికి అనుగుణముగా మధ్యంతర కేంద్ర ప్రభుత్వ బద్దెట్ రైతులకి సాధికారత కర్పించె విదముగా అనేక ార్యక్రమాలకి (శీకారం పలకదం జరిగిందని స్టేట్ కోఆర్డినేటర్ దాక్టర్ ఎస్ఎల్ఎస్ టి (శీనివాస్ ತರಿವಾರು.ಮಂಗಳವಾರಂ (ಕೆನಿವಾಸ್ ಮಾಲ್ಲಾದುతూ ದೆಕ (ಪ್ರಧಾನ మంత్రి నరేంద్రమోడీ నాయకత్వంలో కేంద్ర సహకార మంత్రిత్వశాఖ చేపట్టిన 54కార్యక్రమాలను ముందుకి తీసుకువెళ్ళే విధంగా కేంద్ర ప్రభుత్వము బద్దెట్ కల్పించిందని తెలిపారు.పాదించబదిన 54విదాన పరమైన నిర్ణయాలను ప్రతిపాదించబడి,బడ్జెట్ కేటాయిముంపులు చేసి రాబోపు రోజుల్లో దేశ వ్యాప్తంగా పాథమిక వ్యవసాయ పరపతి సహకర సంఘాలకు,వివిద సహకార సంఘాలను బలపేతం చేయడంమే లక్ష్మంగా తీసుకోవడం జరిగిందన్నారు.ఈ రకమైన అలోచన గ్రామీణ ఆర్థిక వికాసానికి ఎంతో దోహదపడుతుందన్నారు.... వ్యవస్థగత అసమానతల తగ్గింపు ..కేంద్రం ప్రభుత్వం బడ్జెట్ కేటాయింపుల ఆదారంగా వ్యవస్థాగత అసమానతలను (ఆర్థిక) తగ్గించదానికి,మహిళలు, ಅಣಗಾರಿನ ವರ್ಧಲ್ಯಾರತುಲ ನಾಮಾಜಿಕ,ಅರ್ಧಿಕ ಸ್ಥತಿಗತುಲಕು ప్రభావితం చేయగలిగే విదముగా ఆర్థిక వనరులను సమృద్ధిగా కర్పించదంజరుగుతుందన్నారు. ్రపాసెసింగ్,మౌలిక సదుపాయాల బలోపేతం... గ్రామీణ స్థాయిలో దేయిరీ ణాపెకింగ్,బ్రాండ్ విలువకు పెంచడం,మార్మెటింగ్, అవసరమగు మౌలిక సదుపాయం వంటి అంశాలను పట్టిష్టం చేయదానికి గోకుల్ మిషన్ వంటి కేంద్ర పథకాలను కేంద్ర

ప్రభుత్వం బలోపేతం చేయదం,కేంద్రప్రభుత్వ బద్జెట్ అధిక ప్రాధాన్యతను కున్నదన్నారు.మహిళ సాధికారతా..దేశంలో మహిళా సాధికారతను పూర్తిస్థాయిలో సాధించదానికి మహిళా సాధికారత సంఘాలను బలోపేతం చేస్తున్నారని అన్నారు. ప్రాధాన్యత రంగాలు..కేంద్ర ప్రభుత్వం గ్రామీణ ప్రాంతాల అభివృద్ధికి వ్యవసాయం,చేపల పెంపకం,పాడిపరిశ్రమ,(ప్రాసెసింగ్ మార్కెటింగ్, వాజ్యా అదిషన్ ఉత్పత్పులకు అధిక ప్రాధన్యత **ජව**ුරය්ස්ර සතුප ලැඩ්ක ලිකරණේ භාක పరపతి వవస్థను ఆర్థకంగా మెరుగు పరచదానికి తద్వార సహాకర వవస్థలు బహుళార్ధ సేవా కేంద్యలుగా ఆర్థికాభివృద్ధి కీలకమైన పాత్రను పోషించ నున్నాయని అన్నారు.ఏర్పాటు కానున్న ఆక్వా పార్క్ లు... కేంద్ర ప్రభుత్య బడ్జెట్ 2024ముఖ్యమైన అంశం అయిన "ఆక్వా పార్కులు" ఏర్పాటుతో

దేశంలో అయిదు సమీక్షత ఆక్వా పార్కులు,మత్యా సహకార సంఘాలు ఏర్పాటు కానున్నాయని తెలిపారు.సహాకార గృహ నిర్మాణ రంగం..కేంద్ర ప్రభుత్వ బడ్జెట్ 2024ద్వారా సపకర గృహ రంగంలో అనేక మార్పులు రానున్నావని,పట్టణ, గ్రామీణ మధ్యతరగతి,పేద తరగతి కుటుంబాల గృహ నిర్మాణాలకు సబ్సిడీతో కూడుకున్న రుణాలను చేయదం జరుగుతుందన్నారు.సూక్ష్మ ఆహార ప్రాసెసింగ్...సహకర వ్యవస్థ విస్తరనాలో భాగముగా సూక్ష్మ ఆహర ప్రాసెసింగ్ ను



ఆదారపదున్న రైతులకు ఆత్మికంగా రక్షించదానికి కేంద్ర ప్రభుత్వ బట్ 2024అవకాశం కలుస్తున్నదన్నారు.గాప్ప మార్పుకు నాంది కానున్న బద్దెట్ 2024...[పతిపాదించబడిన కేంద్ర బడ్జెట్ 2024బడ్జెట్ గ్రామీణ ఆర్థిక వికాసాన్ని మరింత సమర్ధవంతముగా మందుకి నదిపించదానికి ఒక బ్రధాన మంత్రిగా గ్రామీణ ఆర్టిక ఒక్రప్రధాన మంత్రంగా పాలించదం జరుగుతుందన్నారు.సరిక్రొత్త పరిశోధనలు - నూతన ప్రక్రియల ద్వారా న్యూస్ అనుబంధం సంఘాలను మరింత 'బలోపేతం చేయడం ద్వారా వ్యవసాయము వాటిపై బలోపేతం చేయొచ్చు దాక్టర్ (శీనివాస్ వివరించారు.

Publication:	Samay Bhaskar, Pg 7	Edition: Karnal	Print
Published Date:	February 08, 2024		

बजट २०२४ किसानों को सशक्त बनाएगा; सहकारी समितियों की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में होगी अहम भूमिका

करनाल । प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ÷सहकार से समृद्धि÷ के दृष्टिकोण के अनुरूप, अंतरिम बजट 2024 सहकारी क्षेत्र के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने की पहल को प्राथमिकता देता है।संसद में प्रस्तत बजट गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गई 54 प्रमुख पहलों को प्रतिबिंबित करता है।सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गई पहल का उद्देश्य देश भर में पैक्स (प्राथमिक कृषि ऋग समितियों) और प्राथमिक सहकारी समितियों को मजबूत करना है, जो ग्रामीण समृद्धि की राह पर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।जबिक बजट विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पहलों के माध्यम से महिलाओं सशक्तिकरण, युवाओं, हाशिए पर रहने वाले समूहों और किसानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रणालीगत असमानता में कमी को प्राथमिकता देता है, यह सहकारी समितियों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी काफी बढावा देता है।बजट के विभिन्न पहलुओं को समझाते हुए, अधिकारियों ने कहा कि डेयरी प्रसंस्करण, ब्रांड निर्माण, विपणन और बुनियादी ढांचा विकास (डीआरडीएफ) फंड, राष्ट्रीय गोकुल मिशन (ऑरजीएम) और राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) के लिए निरंतर समर्थन सहकारी डेयरी क्षेत्र को मजबूत करता है।सरकार का लक्ष्य स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से लखपित दीदियों की संख्या 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ करना है और इस उद्देश्य के लिए एक लाख करोड़ रुपये का कोष आवंटित किया है।अधिकारियों ने कहा, चूंकि ग्रामीण स्वयं सहायता समृह (एसएचजी) को पैक्स द्वारा वित्त पोषित किया जाता है, इसलिए यह पैक्स के लिए ग्रामीण स्तर पर इसे लागू करके ग्रामीण महिलाओं की वित्तीय स्थिति पर प्रभाव डालने का एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करता है।बजट में कृषि, ग्रामीण क्षेत्रों और मत्स्य पालन को प्राथमिकता दी गई है, किसान सहकारी समितियों और मुल्य संवर्धन पर जोर दिया गया है। यह ग्रामीण ऋग को मजबूत करने की पिछली पहलों पर आधारित है, जिसमें पैक्स को ग्रामीण समृद्धि के लिए बह-सेवा केंद्र के रूप में देखा गया है।बजट का एक अन्य प्रमुख पहलू यह है कि इसमें सहकारी मत्स्य पालन क्षेत्र के लाभ के लिए देश में पांच एकीकृत एक्का पार्क स्थापित करने का प्रस्ताव है।बजट में सब्सिडी वाले ऋग के माध्यम से आवास पर ध्यान केंद्रित करने से शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में निम्न और मध्यम आय वाले परिवारों को कम लागत और किफायती घर उपलब्ध कराने के लिए सहकारी आवास आंदोलन को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।अधिकारियों ने कहा कि सुक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने से पैक्स की विविध गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण विकास को और बढावा मिलता हैग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढाना, दक्षता में सधार करना, बजट में यही मंत्र है। रुपये के कोष पर बजट प्रस्ताव. उभरते क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार पर पचास साल के ब्याज मुक्त ऋग के साथ 1.00 लाख करोड़ रुपये विशेष रूप से कृषि, सहकारी क्षेत्र के आधुनिकीकरण, ग्रामीण विकास और प्रसंस्करण क्षेत्र के क्षेत्र में एक वास्तविक गेम चेंजर हो सकते हैं।

Publication:	Hind Janpath, Pg 8	Edition: Karnal	Print
Published Date:	February 08, 2024		

(8

बजट २०२४ किसानों को सशक्त बनाएगा; सहकारी समितियों की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में होगी अहम भूमिका

करनाल (ब्यूरो)।ः प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के "सहकार से समृद्धि' के दृष्टिकोण के अनुरूप, अंतरिम बजट 2024 सहकारी क्षेत्र के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने की पहल को प्राथमिकता देता है।संसद में प्रस्तुत बजट गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतत्व में सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गई 54 प्रमुख पहलों को प्रतिबिंबित करता है।सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गई पहल का उद्देश्य देश भर में पैक्स (प्राथमिक कृषि ऋण समितियों) और प्राथमिक सहकारी समितियों को मजबूत करना है, जो ग्रामीण समृद्धि की राह पर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।जबकि बजट विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पहलों के माध्यम से महिलाओं सशक्तिकरण, युवाओं, हाशिए पर रहने वाले समृहों और किसानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रणालीगत असमानता में कमी को प्राथमिकता देता है, यह सहकारी समितियों और ग्रामीण अर्थ्यवस्थाकोभीकाफी बत्रवादेताहै।बजटके विभिन्न पहलुओं को समझाते हुए, अधिकारियों ने कहा कि डेयरी प्रसंस्करण, ब्रांड निर्माण, विपणन और बनियादी ढांचा विकास (डीआरडीएफ) फंड, राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) और गप्टीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) के लिए निरंतर समर्थन सहकारी डेयरी क्षेत्र को मजबूत करता है।सरकार का लक्ष्य स्वयं सह्ययता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से लखपति दीदियों की संख्या 2 करोड़ से बह्मकर 3 करोड़ करना है और इस उद्देश्य के लिए एक लाख करोड़ रुपये का कोष आवंटित किया है।अधिकारियों ने कहा, चूंकि ग्रामीण स्वयं सहायता समृह (एसएचजी) को पैक्स द्वारा वित्त पोषित किया जाता है, इसलिए यह पैक्स के लिए ग्रामीण स्तर पर इसे लागु करके ग्रामीण महिलाओं की वित्तीय स्थिति पर प्रभाव डालने का एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करता है।बजट में कृषि, ग्रामीण क्षेत्रों और मत्स्य पालन को प्राथमिकता दी गई है, किसान सहकारी समितियों और मल्य संवर्धन पर जोर दिया गया है। यह ग्रामीण ऋण को मजबत करने की पिछली पहलों पर आधारित है, जिसमें पैक्स को ग्रामीण समृद्धि के लिए बहु-सेवा केंद्र के रूप में देखा गया है।बजट का एक अन्य प्रमुख पहलु यह है कि इसमें सहकारी मत्स्य पालन क्षेत्र के लाभ के लिए देश में पांच एकीकृत एक्वा पार्क स्थापित करने का प्रस्ताव है।बजट में सब्सिडी वाले ऋण के माध्यम से आवास पर ध्यान केंद्रित करने से शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में निम्न और मध्यम आय वाले परिवारों को कम लागत और किफायती घर उपलब्ध कराने के लिए सहकारी आवास आंदोलन को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।अधिकारियों ने कहा कि सुक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण को बढावा देने से पैक्स की विविध गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण विकास को और बढावा मिलता हैग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढाना. दक्षता में सुधार करना, बजट में यही मंत्र है। रुपये के कोष पर बजट प्रस्ताव. उभरते क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार पर पचास साल के ब्याज मुक्त ऋण के साथ 1.00 लाख करोड रुपये विशेष रूप से कृषि. सहकारी क्षेत्र के आधनिकीकरण, ग्रामीण विकास और प्रसंस्करण क्षेत्र के क्षेत्र में एक वास्तविक गेम चेंजर हो सकते हैं।

Publication:	Rustam E Hind, Pg 5	Edition: Karnal	Print
Published Date:	February 08, 2024		

बजट 2024 किसानों को सशक्त बनाएगा; सहकारी समितियों की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में होगी अहम भूमिका

करनाल । प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ÷सहकार से समृद्धि÷ के दृष्टिकोण के अनुरूप, अंतरिम बजट 2024 सहकारी क्षेत्र के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने की पहल को प्राथमिकता देता है।संसद में प्रस्तुत बजट गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गई 54 प्रमुख पहलों को प्रतिबिंबित करता है।सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गई पहल का उद्देश्य देश भर में पैक्स (प्राथमिक कृषि ऋग समितियों) और प्राथमिक सहकारी समितियों को मजबत करना है, जो ग्रामीण समृद्धि की राह पर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।जबकि बजट विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पहलों के माध्यम से महिलाओं सशक्तिकरण, यवाओं, हाशिए पर रहने वाले समहों और किसानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रणालीगत असमानता में कमी को प्राथमिकता देता है, यह सहकारी समितियों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी काफी बढावा देता है।बजट के विभिन्न पहलुओं को समझाते हुए, अधिकारियों ने कहा कि डेयरी प्रसंस्करण, ब्रांड निर्माण, विपणन और बुनियादी ढांचा विकास (डीआरडीएफ) फंड, राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) और राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यऋम (एनपीडीडी) के लिए निरंतर समर्थन सहकारी डेयरी क्षेत्र को मजबूत करता है।सरकार का लक्ष्य स्वयं सहायता समुहों (एसएचजी) के माध्यम से लखपित दीदियों की संख्या 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ करना है और इस उद्देश्य के लिए एक लाख करोड़ रुपये का कोष आवंटित किया है।अधिकारियों ने कहा, चूंकि ग्रामीण स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) को पैक्स द्वारा वित्त पोषित किया जाता है, इसलिए यह पैक्स के लिए ग्रामीण स्तर पर इसे लागु करके ग्रामीण महिलाओं की वित्तीय स्थिति पर प्रभाव डालने का एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करता है।बजट में कृषि, ग्रामीण क्षेत्रों और मत्स्य पालन को प्राथमिकता दी गई है, किसान सहकारी समितियों और मूल्य संवर्धन पर जोर दिया गया है। यह ग्रामीण त्रष्टा को मजबूत करने की पिछली पहलों पर आधारित है, जिसमें पैक्स को ग्रामीण समृद्धि के लिए बहु-सेवा केंद्र के रूप में देखा गया है।बजट का एक अन्य प्रमुख पहलू यह है कि इसमें सहकारी मत्स्य पालन क्षेत्र के लाभ के लिए देश में पांच एकीकृत एक्का पार्क स्थापित करने का प्रस्ताव है।बजट में सब्सिडी वाले ऋग के माध्यम से आवास पर ध्यान केंद्रित करने से शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में निम्न और मध्यम आय वाले परिवारों को कम लागत और किफायती घर उपलब्ध कराने के लिए सहकारी आवास आंदोलन को बडा बढावा मिलेगा।

Publication:	Saccha sagar_pg 03_	Edition: Udaipur	Print
Published Date:	February 09, 2024		

2475 पैक्स/सहकारी समितियों को जन औषधि केंद्र संचालित करने के लिए प्रारंभिक मंजूरी मिली: अमित शाह

उदयपुर। देश में करीब 2475 प्राइमरी एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसाइटी (पीएसीएस) अथवा पैक्स को फार्मास्यूटिकल्स विभाग के अंतर्गत आने वाले फार्मास्यूटिकल और मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया की तरफ से जन औषधि केंद्र चलाने की प्रारंभिक अनुमति मिल गई है। इनमें से करीबन 617 सहकारी कृषि दिन समितियां को स्टेट डग कंट्रोलर द्वारा ड्रग लाइसेंस दे दिए गए हैं और वे अतिशीघ्र जनऔषधि केंद्र का संचालन शुरू कर पाएंगे। यह जानकारी भारत के सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी. उल्लेखनीय है कि अब तक 34 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों से कुल 4,629 पैक्स/सहकारी समितियों ने जन औषधि केंद्रों के संचालन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है। मंत्री ने आगे कहा कि फार्मास्युटिकल और मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) द्वारा 1000 से अधिक पैक्स/सहकारी समितियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। ग्रामीण नागरिकों तक जेनेरिक दवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल (मिनिस्ट्री

ऑफ़ केमिकल एंड फर्टिलाइजर) के प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत सरकार ने पैक्स को जन औषधि केंद्र के संचालन की अनुमित प्रदान की है। जन औषधि केंद्रों के रूप में कार्य करने वाले पैक्स ग्रामीण नागरिकों को सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने में सक्षम होंगे.

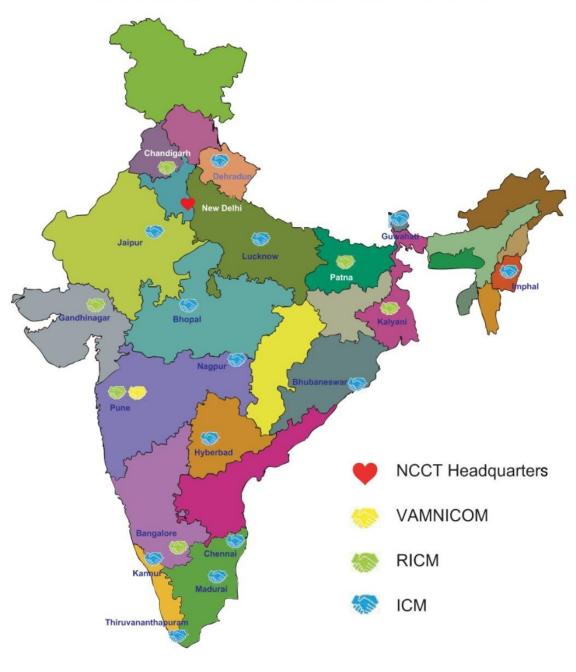
जिनकी कीमत खुले बाजार में ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50-90 प्रतिशत कम हैं, जिनमें लगभग 2,000 दवाएं और लगभग 300 सर्जिकल आइटम शामिल हैं। पैक्स को अतिरिक्त रोजगार के अवसर और अतिरिक्त राजस्व स्रोत भी मिलेंगे। राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस के अनुसार, देश में 1,03,369 पीएसीएस हैं। हालाँकि, वे सभी क्षेत्रों में समान रूप से वितरित नहीं हैं। मंत्री शाह ने कहा कि उनके विषम वितरण को संबोधित करने के लिए, सरकार ने 15 फरवरी 2023 को अगले पांच वर्षों में ऐसे सभी पंचायतों जहां पैक्स मौजूद नहीं है वहां नए बहुउद्देशीय पैक्स या प्राथमिक डेयरी/मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापना की योजना को मंजूरी दे दी है।

Publication:	Police Public Politics_pg 02	Edition: Udaipur	Print
Published Date:	February 09, 2024		

2475 पैक्स/सहकारी समितियों को जन औषधि केंद्र संचालित करने के लिए प्रारंभिक मंजूरी मिलीः अमित शाह

उदयपुर। देश में करीब 2475 प्राइमरी एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसाइटी (पीएसीएस) अथवा पैक्स को फार्मास्यटिकल्स विभाग के अंतर्गत आने वाले फार्मास्यूटिकल और मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया की तरफ से जन औषधि केंद्र चलाने की प्रारंभिक अनुमति मिल गई है । इनमें से करीबन 617 सहकारी कृषि दिन समितियां को स्टेट ड्रग कंट्रोलर द्वारा ड्रग लाइसेंस दे दिए गए हैं और वे अतिशीघ्र जनऔषधि केंद्र का संचालन शुरू कर पाएंगे। यह जानकारी भारत के सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी. उल्लेखनीय है कि अब तक 34 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों से कुल 4,629 पैक्स/सहकारी समितियों ने जन औषधि केंद्रों के संचालन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है। मंत्री ने आगे कहा कि फार्मास्यूटिकल और मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) द्वारा 1000 से अधिक पैक्स/सहकारी समितियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। ग्रामीण नागरिकों तक जेनेरिक दवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल (मिनिस्ट्री ऑफ़ केमिकल एंड फर्टिलाइजर) के प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत सरकार ने पैक्स को जन औषधि केंद्र के संचालन की अनुमित प्रदान की है। जन औषधि केंद्रों के रूप में कार्य करने वाले पैक्स ग्रामीण नागरिकों को सस्ती कीमतों पर गणवत्तापुर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने में सक्षम होंगे. जिनकी कीमत खुले बाजार में ब्रांडेड दवाओं की तलना में 50-90 प्रतिशत कम हैं।

LOCATIONS OF NCCT INSTITUTES





NATIONAL COUNCIL FOR COOPERATIVE TRAINING

(AN AUTONOMOUS SOCIETY PROMOTED BY MINISTRY OF COOPERATION, GOVERNMENT OF INDIA) 3, Siri Institutional Area (3rd Floor), August Kranti Marg, New Delhi-110016





011-41096510 🔯 secy-ncct@gov.in



www.ncct.ac.in